University in News on 03 May 2024

NBT PAGE 4

लखनऊ यूनिवर्सिटी

कैशलेस इलाज के लिए मांगा डेटा

■ एनबीटी सं., लखनऊः कैशलेस इलाज के लिए एलयू के शिक्षकों और कर्मचारियों से डेटा मांगा गया है। फिलहाल इस बात पर मुहर लगी है कि शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ-साथ पति/पत्नी व दो बच्चों को कैशलेस इलाज की सुविधा दी जाएगी।

एलयू में लूटा और कर्मचारी परिषद कई वर्षों से कैशलेस मेडिकल सुविधा देने की मांग कर रहे थे। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देश पर रजिस्ट्रार डॉ.विनोद कुमार सिंह ने इस संबंध में सात सदस्यों की समिति गठित कर दी थी। समिति की अध्यक्ष प्रो. संगीता साहू हैं। सदस्यों में लूटा और कर्मचारी परिषद के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया गया है। समिति कई बिन्दुओं पर मंथन कर रही है। फिलहाल पांच लाख रुपये तक का कैशलेस कवर दिए जाने का निर्णय लिया गया है। इसमें शिक्षक/कर्मचारी के साथ उनकी पत्नी/पति व दो बच्चों को कवर किया जाएगा। लिहाजा रजिस्ट्रार ने अब करीब 400 स्थाई शिक्षकों और 1500 स्थाई कर्मचारियों से 4 मई तक पूरा डिटेल उपलब्ध कराने के लिए पत्र जारी किया है। डिटेल मिलने के बाद बीमा कंपनियों से बात की जाएगी।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि-भाषा विवि में 42,898 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय और भाषा विश्वविद्यालय में तीन पालियों में परीक्षा के आयोजन हुए। कुल 42,898 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। दोनों ही विश्वविद्यालयों में कैमरे की निगरानी के दौरान कोई भी परीक्षार्थी अनुचित सामग्री के साथ नहीं मिला। लखनऊ विवि और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में चौथे दिन भी परीक्षाओं के आयोजन हुए। पहली पाली में 12 हजार 500 परीक्षार्थी सम्मलित हुए। दूसरी में इनकी संख्या बढ़कर 24 हजार 84 हो गई। वहीं तीसरी पाली में प्रतिभागी छात्रों की संख्या घटकर 4632 रह गई। कुल 41,216 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में प्रतिभाग किया। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी का कहना है कि 395 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ी है। लखनऊ के अलावा सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली में आयोजित परीक्षाओं में कोई भी छात्र अनुचित सामग्री के साथ नहीं मिला। तीनों पालियां कैमरों की निगरानी में संपन्न हुईं। उधर, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के केन्द्राध्यक्ष प्रो. चंदना ने बताया कि परीक्षा के पहले दिन दोनों पालियों में कुल 1682 विद्यार्थियों ने परीक्षाओं में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। परीक्षा में 23 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

HINDUSTAN PAGE 5

शिक्षकों व कर्मियों के परिवार को कैशलेस इलाज मिलेगा

■ 400 स्थाई शिक्षकों 15 सौ कर्मचारियों को लाभ
■ पति-पत्नी और दो बच्चों को मिलेगा योजना का लाभ

लखनऊ, संवाददाता। एलयू ने कैशलेस इलाज के लिए शिक्षकों और कर्मचारियों से पारिवारिक सदस्यों की जानकारी मांगी है। फिलहाल इस बात पर मुहर लगी है कि शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ उनकी पत्नी या पति व दो बच्चों को कैशलेस इलाज की सुविधा दी जाएगी।

एलयू में लूटा और कर्मचारी परिषद कई वर्षों से मुफ्त चिकित्सा सुविधा दिए जाने की मांग कर रहे थे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देश पर कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कैशलेस इलाज दिए जाने के संबंध में सात सदस्यों की समिति का गठन कर दिया था। समिति की अध्यक्ष प्रो. संगीता साहू हैं। कैशलेस इलाज दिए जाने के संबंध में कई बिन्दुओं पर समिति मंथन कर रही है। फिलहाल पांच लाख रुपये तक का कैशलेस कवर दिए जाने का निर्णय लिया गया है। यह भी निर्णय लिया गया है कि शिक्षक या कर्मचारी, उनकी पत्नी या पति और दो बच्चों को कैशलेस कवर दिया जाएगा।

i-NEXT PAGE 5

लोहे के कबाड़ से बना दी हाकी खिलाड़ी की प्रतिमा

तैयार की गई खिलाड़ी के साथ साइकिल चलाते व्यक्ति की प्रतिमा

LUCKNOW (2 MAY): लखनऊ विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प महाविद्यालय में मूर्ति कला विभाग के विषय विशेषज्ञ अजय कुमार की निर्देशन में चार विद्यार्थियों ने लोहे के कबाड़ (स्क्रैप धातु) से हाकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद्र और साइकिल चलाते हुए व्यक्ति की भव्य प्रतिमा तैयार की है. खिलाड़ी की करीब 120 किलो और साइकिल चलाते हुए व्यक्ति की मूर्ति 180 किलो की है. इसे बनाने में 28 दिन का समय लगा है.

मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा

विषय विशेषज्ञ अजय कुमार ने 2018 में लवि से ही एमएफए की पढ़ाई पूरी की थी. इससे पहले भी उन्होंने ग्वालियर में कई सरकारी संस्थानों एवं लखनऊ के संगीत नाटक अकादमी में लोहे के कबाड़ से कई चीजें बनाई हैं. वह बताते हैं कि कला एवं शिल्प महाविद्यालय में हाकी स्टिक लिए हुए खिलाड़ी (मेजर ध्यानचंद) और साइकिल चलाते हुए व्यक्ति की प्रतिमा तैयार की गई है.

कई धातुओं का प्रयोग

इसमें बीवीए चौथे वर्ष की छात्रा निहारिका सिंह, दूसरे वर्ष के ज्ञानेंद्र प्रताप, कमल व संध्या विश्वकर्मा ने भी अहम भूमिका निभाई है. इसे बनाने में सरिया, लोहे की चादर, नट बोल्ड, एंगल समेत कई धातुओं का प्रयोग किया गया है. सफेद चमकीला रंग होने की वजह दोनों प्रतिमा काफी सुंदर लग रही हैं.

परिवार के 4 सदस्यों को कैशलेस ट्रीटमेंट सुविधा

कुलसचिव ने शिक्षकों व कर्मचारियों से चार मई तक मांगा विवरण

LUCKNOW (2 MAY): लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों व कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही कैशलेस चिकित्सा सुविधा की मांग लाभ पूरी हो सकती है. प्रत्येक शिक्षक एवं कर्मचारी के परिवार में चार सदस्य इस योजना से लाभांवित होंगे. इनमें शिक्षक या कर्मचारी, उनकी पत्नी/पति व दो बच्चे शामिल होंगे. करीब पांच लाख रुपये तक कैशलेस कवर दिए जाने पर सहमति बनी है. कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने सभी विभागों, कार्यालय से निर्धारित प्रारूप पर नियमित एवं वेतनमान शिक्षणेत्तर, शिक्षकों का विवरण चार मई तक देने के लिए कहा है.

2023 कार्य परिषद में लिया गया था निर्णय

दरअसल, तीन मार्च 2023 को हुई कार्य परिषद की बैठक में शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने पर निर्णय लिया गया था. अब प्रक्रिया अंतिम चरण में है. कैशलेस सुविधा दो प्लस दो यानी कर्मचारी या शिक्षक की पत्नी/पति एवं दो बच्चों को दी जाएगी.

लंबे समय से हो रही थी मांग

लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद के महामंत्री संजय शुक्ला ने बताया कि संगठन काफी समय से कैशलेस चिकित्सा सुविधा की मांग कर रहा है. कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देश पर इस पर समिति तेजी से काम कर रही है. अब तक सात इंश्योरेंस कंपनी के प्रस्ताव आए हैं. पांच लाख रुपये तक फ्री कैशलेस इलाज की सुविधा देने पर विचार किया गया है. इससे 400 स्थाई शिक्षकों और 1500 कर्मचारियों को फायदा होगा.

JAGRAN CITY PAGE III

परिवार के चार सदस्यों को मिलेगी कैशलेस चिकित्सा सुविधा

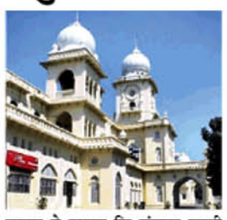

जासं ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों व कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही कैशलेस चिकित्सा सुविधा की मांग लाभ पूरी हो सकती है। प्रत्येक शिक्षक एवं कर्मचारी के परिवार में चार सदस्य इस योजना से लाभांवित होंगे। इनमें शिक्षक या कर्मचारी, उनकी पत्नी/पति व दो बच्चे शामिल होंगे। करीब पांच लाख रुपये तक कैशलेस कवर दिए जाने पर सहमति बनी है। कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने सभी विभागों, कार्यालय से निर्धारित प्रारूप पर नियमित एवं वेतनमान शिक्षणेत्तर, शिक्षकों का विवरण चार मई तक देने के लिए कहा है।

दरअसल, तीन मार्च 2023 को हुई कार्य परिषद की बैठक में शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने पर निर्णय लिया गया था। अब प्रक्रिया अंतिम चरण में है। कैशलेस सुविधा दो प्लस दो यानी कर्मचारी या शिक्षक की पत्नी/पति एवं दो बच्चों को दी जाएगी। लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी परिषद के महामंत्री संजय शुक्ला ने बताया कि संगठन काफी समय से कैशलेस चिकित्सा सुविधा की मांग कर रहा है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के निर्देश पर इस पर समिति तेजी से काम कर रही है। अब तक सात इंश्योरेंस कंपनी के प्रस्ताव आए हैं। पांच लाख रुपये तक फ्री कैशलेस इलाज की सुविधा देने पर विचार किया गया है। इससे 400 स्थाई शिक्षकों और 1500 कर्मचारियों को फायदा होगा।

अभी ये व्यवस्था : अभी तक इलाज कराने के बाद उसके बिल लगाने पर शिक्षक व कर्मचारी को 10 हजार रुपये तक की राशि वापसी मिल जाती है। वहीं, कारपस फंड के तहत बड़ी बीमारी पर एक लाख रुपये तक की मदद मिलती है।

कबाड़ से बनाई हाकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा

जासं ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प महाविद्यालय में मूर्ति कला विभाग के विषय विशेषज्ञ अजय कुमार की निर्देशन में चार विद्यार्थियों ने लोहे के कबाड़ (स्क्रैप धातु) से हाकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद और साइकिल चलाते हुए व्यक्ति की भव्य प्रतिमा तैयार की है। खिलाड़ी की करीब 120 किलो और साइकिल चलाते हुए व्यक्ति की मूर्ति 180 किलो की है। इसे बनाने में 28 दिन का समय लगा है। विषय विशेषज्ञ अजय कुमार ने 2018 में लवि से ही एमएफए की पढ़ाई पूरी की थी। इससे पहले भी उन्होंने ग्वालियर में कई सरकारी संस्थानों एवं लखनऊ के संगीत नाटक अकादमी में लोहे के कबाड़ से कई चीजें बनाई हैं। वह बताते हैं कि कला एवं शिल्प महाविद्यालय में हाकी स्टिक लिए हुए खिलाड़ी (मेजर ध्यानचंद) और साइकिल चलाते हुए व्यक्ति की प्रतिमा तैयार की गई है। इसमें बी.वी.ए चौथे वर्ष की छात्रा निहारिका सिंह, दूसरे वर्ष के ज्ञानेंद्र प्रताप, कमल व संध्या विश्वकर्मा ने भी अहम भूमिका निभाई। इसे बनाने में सरिया, लोहे की चादर, नट बोल्ड, एंगल समेत कई धातुओं का प्रयोग किया गया है।

कबाड़ से तैयार की गई मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा और साइकिल ● सौजन्यः स्वयं

दर्शनशास्त्र विभाग में व्याख्यान

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग की ओर से गुरुवार को दो विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। पहला व्याख्यान अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के दर्शन विभाग के डा. आमिर रियाज और दूसरा व्याखान लवि दर्शनशास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश चंद्रा ने प्रस्तुत किया। आमिर रियाज ने अल्लामा इकबाल के दार्शनिक विचारों एवं उनकी कुछ बहुत ही प्रसिद्ध नज्मों को उल्लेखित किया।